Govt. Kamla Nehru Mahila Mahavidyalaya Damoh (M.P.)-

SSR for NAAC III Cycle 2022

- **AISHE ID: C-19132**
- **Established in 1964**
- **First & only Women College in Damoh Region**
- **Affiliated to Maharaja Chhatrasal Bundelkhand University, Chhatrapur**

Criterion 1
Curricular Aspects

1.3 Curriculum Enrichment

1.3.1 Institution integrates crosscutting issues relevant to Professional Ethics, Gender, Human Values, Environment and Sustainability in transacting the Curriculum

GOPAL PRASAD CHAUDHARI
Digitally signed by GOPAL PRASAD CHAUDHARI
DN: c=IN, postalCode=470661, st=MADHYA PRADESH, street=DAMOH,SHAKTI NAGAR COLONY ,470661, l=DAMOH, o=Personal, serialNumber=0edc34c85ca0a3e50f3bd468779a974c8853bfae13d292f510d141b9a31801cc, pseudonym=29793a41afde4cd380b1a9ad1dedc48f, 2.5.4.20=ced6a32ff8f92e3b8641da0d0358bb6229b679cea1dbfedef73eea3ad08e7a82, email=PRINCIPALKNMM@GMAIL.COM, cn=GOPAL PRASAD CHAUDHARI
Date: 2023.07.04 11:29:29 +05'30'

Ph: 07812-222385
Email: hegkngcdam@mp.gov.in
Website: http://www.knmmdamoh.in/

Office of The Principal Govt. Kamla Nehru Mahila Mahavidyalay
Damoh M. P.
Telephone ☎ 07812 -222385 Email- hegkngcdam@mp.gov.in
"NAAC Accredited B+"

SSR/NAAC/186

Date- 13/06/2023

Declaration

This is to declare that the information, reports, true copies and numerical data etc. Furnished in this file as supporting documents is verified by IQAC and found correct.

Hence this certificate

Dr. P. L. Jain
13/6/23

Dr. P.L. Jain
Prof. Phy.

13/6/23
Dr. G. P. Choudhary

Principal
Govt. Kamla Nehru Girls College Damoh

Index

Sr. No.	***Activity/program/documents***	***Page No.***
1.	Gender Sensitivity	01-13
2.	Human Values	14-31
3.	Environment Sustainability	32-53
4.	Professional Ethics	54-59

1. GENDER SENSITIVITY

Subject: Foundation Course (II year)

Paper: Women Empowerment

भाग अ - परिचय			
कार्यक्रम: डिप्लोमा पाठ्यक्रम	कक्षा: बी.ए. द्वितीय वर्ष	वर्ष : 2022	सत्र : 2022-2023
विषय : महिला सशक्तिकरण			
1	पाठ्यक्रम का कोड		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	महिला सशक्तिकरण,	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोर कोर्स)	आधार पाठ्यक्रम, द्वितीय प्रश्न-पत्र	
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	**स्नातक द्वितीय वर्ष के समस्त विद्यार्थियों के लिए आधार पाठ्यक्रम का यह अनिवार्य प्रश्न-पत्र है।**	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात विद्यार्थी निम्नलिखित को समझने में सक्षम होंगे : 1. भारत में महिला सशक्तिकरण के इतिहास, अवधारणा और महिला सशक्तिकरण के विभिन्न आयामों को समझ सकेंगे। 2. महिला सशक्तिकरण से संबंधित संवैधानिक प्रावधान, कानून एवं नीतियों को समझ सकेंगे। 3. महिला सशक्तिकरण सम्बन्धी विभिन्न मुद्दों, चुनौतियों एवं सशक्तिकरण में सहायक अभिकरणों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। इसके साथ ही भारत के शक्तिशाली महिला नेतृत्व की गौरव गाथा से परिचित हो सकेंगे। 4. महिला सशक्तिकरण सम्बन्धी प्रस्तुत अध्ययन विद्यार्थियों को शासकीय, अशासकीय एवं स्वयंसेवी संगठनों मे रोजगार के अवसर उपलब्ध करायेगा।	
6	क्रेडिट मान	सैद्धांतिक - 2	
7	कुल अंक	अधिकतम अंक : 50	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक : 17
भाग ब- पाठ्यक्रम की विषय-वस्तु			
व्याख्यान की कुल संख्या - ट्यूटोरियल : 30 घण्टे (प्रति सप्ताह दो घंटे) L-T P : 2-0-0			
इकाई	विषय		व्याख्यान की संख्या

Subject: Sociology

Paper: Social Processes and Change

५

Department of Higher Education, Govt. Of M.P.
Under Graduate Annual Examination System Syllabus
As recommended by Central Board of Studies and approved by the Governor of M. P.
उच्च शिक्षा विभाग म.प्र. शासन
स्नातक कक्षाओं के लिये द्वि प्रश्नपत्र प्रणाली एवं वार्षिक परीक्षा पद्धति के अनुसार केंद्रीय अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र. के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित पाठ्यक्रम

Class / कक्षा	:	B.A.-II / बी.ए. द्वितीय वर्ष
Paper/प्रश्न पत्र	:	First Paper / I- प्रथम प्रश्नपत्र
Subject / विषय	:	Sociology / समाजशास्त्र
Title of paper	:	Social Processes and Change
प्रश्नपत्र का शीर्षक	:	सामाजिक प्रक्रियाएं एवं परिवर्तन
Compulsory / Optional	:	Compulsory/ अनिवार्य
Max.Marks / अधिकतम अंक		नियमित विद्यार्थियो के लिए– : आंतरिक मूल्यांकन त्रैमासिक 5 अंक : आंतरिक मूल्यांकन छ.माही 5 अंक : वार्षिक परीक्षा 40 अंक स्वाध्यायी परीक्षार्थियों के लिए : वार्षिक परीक्षा 50 अंक

Unit-1	Social Structure-Concept and Characteristics, Function- Concept and Characteristics, Social Structure and Function, (According to Redcliffe-Brown and T. Parsons)
इकाई -1	सामाजिक संरचना–अवधारणा एवं विशेषताएं प्रकार्य– अवधारणा एवं विशेषताएं सामाजिक संरचना एवं प्रकार्य–रेडक्लिफ ब्राउन एवं टी. पारसन्स के अनुसार
Unit-2	Social Organization-Concept and Characteristics, Social Process-Cooperation, Accomodation, Assimililation, Adaptation, .Adjustment, Soicalorganization of work in different types of Society,Slave Society feudal Society, industrial/Capitalist Society
इकाई -2	सामाजिक संगठन की अवधारणा एवं विशेषताएं सामाजिक संगठन की प्रक्रियाएं– सहयोग, व्यवस्थापन, सात्मीकरण, अनुकूलन, सामंजस्य,विभिन्न प्रकार के समाजों में कार्य का सामाजिक संगठन, दास, सामंत, औद्योगिक पूंजीवादी समाज
Unit -3	Social Disorganization-Concept and Characteristics, Process of Social Disorganization-Compitition, Conflict, Devient behaviour, War
इकाई -3	सामाजिक विघटन की अवधारणा एवं विशेषताएं सामाजिक विघटन की प्रक्रियाएं– प्रतिस्पर्धा, संघर्ष, विचलित व्यवहार, युद्ध
Unit-4	Social Legislation-Domestic Violance Act 2005, The scheduled caste and tribes (Prevention of Atrocities Act 1989), Human Right Act 1993, Right to information 2005, Protection of women under Indian constitution and criminal law, Eniveronment Protection Act 1986, Consumer Protection Act 1986, Information Technology Act 2000, Madhya Pradesh Public Service Guarantees Act 2010
इकाई -4	सामाजिक विधान–घरेलू हिंसा अधिनियम 2005, अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार निरोधक अधिनियम 1989, मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम 1993, सूचना का अधिकार अधिनियम 2005, भारतीय संविधान एवं अपराधिक नियमों के अंतर्गत महिलाओं को प्राप्त सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986, उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986, सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000, म.प्र. लोकसेवाओं के प्रदान की गारंटी अधिनियम 2010

22.7.21

Article published in Institute magazine 'Prerna' on Gender Sensitivity

आगे बढ़ो

डॉ.शिरीन खान
अतिथि विद्वान केमिस्ट्री

तुम संग संग चलो
आओ अब आगे बढ़ो
बहुत हुआ बलिदान
बहुत हुआ अपमान
अब तुम जिद पर अड़ो
आओ अब आगे बढ़ो।

अबला नहीं सबला नहीं, नहीं तुम बेचारी
अपनी पहचान बना रखो तुम नारी।
क्यो शर्मिंदा हो, क्यों है ये डर
अपने हिस्से के प्रेम की, अपने हिस्से के मान की
हो तुम ही अधिकारी, बहुत हुआ
आओ अब आगे बढ़ो।

हाँ तुम सहनशक्ति की मिसाल हो
बता दो सब को तुम हर, क्षेत्र में कमाल हो
फिर क्यों डरना, रात में निकलने से
फिर क्यों डरना अकेले चलने में।
बस बहुत हुआ अपने पथ को स्वयं चुनो
बढ़ो आगे सुंदर भविष्य के सपने बुनो।
आओ अब आगे बढ़ो, चलो तुम संग संग चलो।

खुद में खुद ही काफी हूँ

अंकिता दुबे

क्यूं खुद से ही हर बार सवाल उठाती हूं ?
हूं ये जानती मैं कि खुद में खुद ही काफी हूं।
संभाल लेती हूं अक्सर खुद को फिर भी,
ना संभाल सकती तो कभी ?

इस बात से डर सी जाती हूं लेकिन
हूं ये जानती मैं कि खुद में खुद ही काफी हूं।
ना है शिकायत किसी से, ना ही है उम्मीद
अपना लेती हूं, वो भी जो ना आए दिल को रास

सहम ना डर ना ना ही है ये कमजोरी मेरी
क्यूं की हूं ये जानती मैं कि, खुद में खुद ही काफी हूं
हौसला है देता ये मन मेरा समझाता मुझको रहता है
ये यकीन मुझको तुझने संभालना तुझे आता है

अरे गिर जाओगी तो क्या हुआ ?
उठकर चलना तुझको आता है,
तू इस बात से वाकिफ तो है,
तू खुद में खुद ही काफी है।

57

College Level Women Redressal Cell

Sr No	**Name**	**Designation**
1	Dr Aruna M Jain, Professor	Convener
2	Mrs Surekha Badole, Assistant Professor	Member
3	Mrs Jaya Ahirwar, Assistant Professor	Member
4.	Mrs Somi Singh, Assistant Grade III	Member

Self Defence Training Program

Organized at Govt. Kamla Nehru Mahila Mahavidyalaya, Damoh

Pink Fashion Show for promoting girls student towards voting on 23.10.2018

NCC Cadets awakeing through Rally against dowry on 22.11.2019

Poster during Rally against Dowry by NCC Cadet

Feeding Room facility in Campus

Feeding Room
स्तनपान कक्ष
GPS Map
Camera Lite
Bus Stand Rd, Old Housing Board Colony, Madiya Pangarha, Damoh, Madhya Pradesh 470661, India
Latitude
23.8265397°
Longitude
79.440388°
Local 02:04:14 PM
GMT 08:34:14 AM
Altitude 316.7 meters
Wednesday, 29-09-2021

Sick Room

GPS Map
Camera Lite
Bus Stand Rd, Old Housing Board Colony, Madiya Pangarha, Damoh, Madhya Pradesh 470661, India
Latitude
23.82655901°
Longitude
79.44041541°
Local 02:11:44 PM
GMT 08:41:44 AM
Altitude 307.31 meters
Wednesday, 29-09-2021

Girls Common Room

Online facility for Grievance Complaint

Link for Register Grievance

https://forms.gle/1ukruLhJVXuASyZ78

Scan the Q R code and register your complaint/grievance

Vigilence Awareness Week (Poster and Newspaper publication)

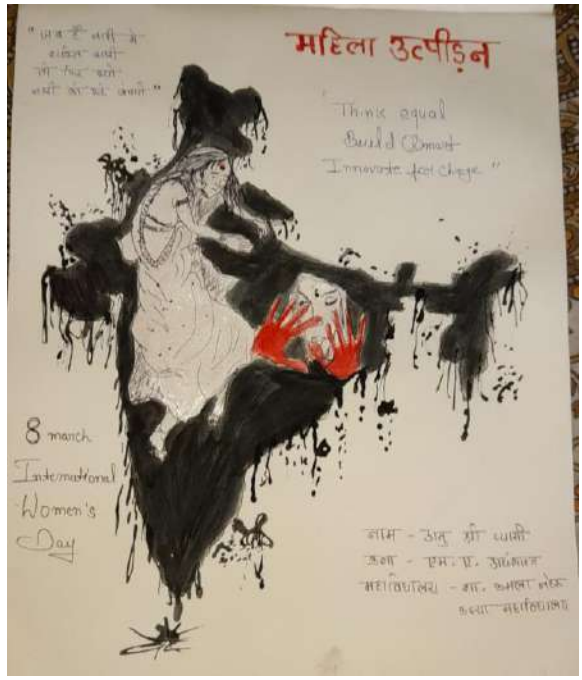

एसिड अटैक पीड़ित एवं महिलाओं के लिये विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन

दमोह। स्थानीय शासकीय कमला नेहरू महिला महाविद्यालय दमोह में कोविड -19 की गाइडलाइन का पालन करते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दमोह द्वारा एसिड अटैक पीड़ितों एवं महिलाओं के कानूनी अधिकारों के संबंध में विधिक साक्षरता शिविर कार्यक्रम आयोजित किया गया। संस्था प्राचार्य डॉ केपी अहिरवार जी की अध्यक्षता में कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती जी के पूजन से हुआ। तत्पश्चात कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्रथम श्रेणी न्यायाधीश माननीय प्रकाश कुमार उइके तथा मुख्य अतिथि जिला विधिक सेवा अधिकारी श्रीमती गुंता डांगे जी का स्वागत पुष्पगुच्छ भेंट कर किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डांगे मैडम ने अपने उदबोधन में सभी को एसिड अटैक से पीड़ितों के अलावा महिलाओं के कानूनी अधिकारों की जानकारी दी। इसी तारतम्य में माननीय न्यायाधीश महोदय उइके जी कानूनी अधिकारों एवं प्रकिया पर प्रकाश डालते हुए बौद्धिक एवं तार्किक क्षमता को विकसित करने के तरीके भी बतलाये। संस्था प्राचार्य डॉ के पी अहिरवार जी ने सभी को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने के साथ ही सतर्क एवं सुरक्षित रहने का संदेश दिया। इस अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ पी एल जैन, डॉ रेखा जैन, डॉ अवधेश जैन ,डॉ डी. के. नेमा, डॉ मुदिता प्रवीण श्रीवास्तव डॉ मालती नायक डॉ अरुणा एम जैन, डॉ उमाहिया, डॉ असलम खान, डॉ ब्रजेन्द्र कुसमरिया, डॉ आराधना श्रीवास, डॉ राधा ताम्रकार, डॉ पूजा जैन, श्रीमती प्रीति वर्मा, दीपक सैनी, अंकित कुमार, ऋषि चंद गुप्ता, ब्रजेश मौर्य,श्रीमती जया अहिरवार, कु0 भारती चौरसिया, डॉ पी मेहरोलिया, डॉ शिरीन खान, डॉ अल्का हिरकने , कु. प्रिया थापा , जनभागीदारी शिक्षक एवं समस्त महाविद्यालय स्टाफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ एन. पी. नायक द्वारा तथा कार्यक्रम संयोजन रासेयो कार्यक्रम अधिकारी डॉ अपर्णा गोस्वामी द्वारा किया गया।

Gender audit report

Gender Audit Report

This is to certify that institute is committed to provide safe and encouraging environment for girl's education. By continuous efforts the gross enrolment Number increase year by year as follows –

Date-01/06/2022

Details of Students admitted to the College During the last four Academic Years

Category	Gender	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22
SC	Female	284	360	317	401	478
ST		51	70	77	67	100
OBC		960	1370	1270	1380	1666
Genrel		327	366	296	307	345
EWS.		0	0	7	15	4
	Total-	1622	2166	1967	2170	2593

01.06.22
DR. P. L. JAIN PROF.
IQAC Coordinator

DR. ARUNA M JAIN PROF.
Incharge GAR

DR. D. K. NEMA Assoica.Prof
Adminstrative Officer.

PRINCIPAL
शा. कमला नेहरु महिला महाविद्यालय
दमोह (म.प्र.)

2. HUMAN VALUES

Subject: Political Science

Paper: Representative Political Thinkers

(5)

Department of Higher Education, Govt. of M.P.
Under Graduate Annual Wise Syllabus
As recommended by Central Board of Studies and approved by the Governor of M.P
उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन
स्नातक कक्षाओं के लिए वार्षिक पद्धति अनुसार पाठ्यक्रम
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र. के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित

Class/कक्षा	B.A. II year / बी.ए. द्वितीय वर्ष
Subject/ विषय	Political Science/ राजनीति विज्ञान
Title of Paper प्रश्न पत्र का शीर्षक	Representative Political Thinkers प्रतिनिधि राजनीतिक विचारक
Paper/ प्रश्न पत्र	First / प्रथम
Max Marks: अधिकतम अंक	50 Regular Student / नियमित विद्यार्थी (40+10=50 आन्तरिक परीक्षा / Internal Examination त्रैमासिक एवं अर्ध वार्षिक परीक्षा / Quarterly and Half Yearly Examination) 50 Private Student / स्वाध्यायी विद्यार्थी

Particulars / विवरण

Unit- I	Salient Features of Ancient Indian Political Thought, Manu, Kautilya and Buddhist tradition.
इकाई– I	प्राचीन भारतीय राजनीतिक चिंतन की विशेषताएँ, मनु, कौटिल्य एवं बौद्ध परम्पराएँ
Unit- II	Salient Features of Western Political Thought, Plato, Aristotle
इकाई– II	पाश्चात्य राजनीतिक चिंतन की विशेषताएँ, प्लेटो एवं अरस्तु
Unit III	Salient Features of Modern Political Thought Machiavelli, Hobbes, Locke, Rousseau, Jeremy Bentham, John S. Mill
इकाई– III	आधुनिक राजनीतिक चिंतन की विशेषताएँ : मैकियावली, हॉब्स, लॉक, रूसो, जेरेमी बैंथम, जॉन एस. मिल
Unit- IV	Communist Thinker s: Marx , Lenin, and M. N.Roy
इकाई– IV	साम्यवादी विचारक मार्क्स, लेनिन एवं एम.एन. रॉय।
Unit- V	Indian Political Thinkers : Mahatma Gandhi, Dr B. R. Ambedkar, Ram Manohar Lohiya, Pt. Deendayal Upadhyay.
इकाई– V	भारतीय राजनीतिक विचारक : महात्मा गाँधी, डॉ. बी. आर. अम्बेडकर, राम मनोहर लोहिया, पं. दीनदयाल उपाध्याय

Subject: Foundation Course

Paper: Hindi Language with Course learning outcome emphasazing on human values

आधार पाठ्यक्रम प्रथम प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा –

(भाग–ए)परिचय				
	कार्यक्रम : यू.जी. लेवल डिप्लोमा	कक्षा : बी.ए./बी.कॉम./बी.एससी./बी.एच.एससी./बी.सी.ए. द्वितीय वर्ष	वर्ष–2022	सत्र 2022–23
क्रं	विषय	आधार पाठ्यक्रम		
1	कोर्स कोड	**X2-FCEA1T**		
2	कोर्स का शीर्षक	भाषा और संस्कृति		
3	कोर्स का प्रकार	आधार पाठ्यक्रम		
4	कोर्स अपेक्षित	स्नातक प्रथम वर्ष उत्तीर्ण किसी भी विषय समूह से।		
5	कोर्स अधिगम उपलब्धि (लर्निंग आउटकम) (CLO)	1.भारतीय ज्ञान परंपरा से विद्यार्थियों को अवगत एवं लाभान्वित करना। 2.उत्कृष्ट साहित्यिक पाठों के अध्ययन से रुचि का विकास करना। 3. सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्रीय भावना का विकास करना। 4. भाषा – ज्ञान । 5. सामान्य शब्दावली और विशेष शब्दावली के अध्ययन द्वारा भाषा एवं संस्कृति बोध का विकास करना। 6. विशिष्ट शब्दावली (बीज शब्द / की वर्ड) से परिचित करवाते हुए बोध के स्तर को विकसित करना।		
6	क्रेडिट मान	02 क्रेडिट		
7	कुल अंक	50 अंक		
8	उत्तीर्ण अंक	17 अंक		
9	समय	3 घंटा		

Aazadi ka Amrit Mahotsav

Awareness Program on Indian Freedom Movement, Gandhi's vision on freedom plan and 'Hind Swaraj'

Rani Damyanti Museum Damoh : : Visit on the occasion of 'Dandi March Anniversary'

Rani Damyanti Museum Damoh : Visit to historical monument under Azadi ka Amrit Mahotsav in 2022

Tiranga Yatra on August 8th 2022, on the occasion of 'Quit India Movement'

Oath on the occasion of 'National Integration Day' 09.11.2021

Nasha Mukti Abhiyan (No Addiction Compaign), Poster made by student and news paper publication of this campaign

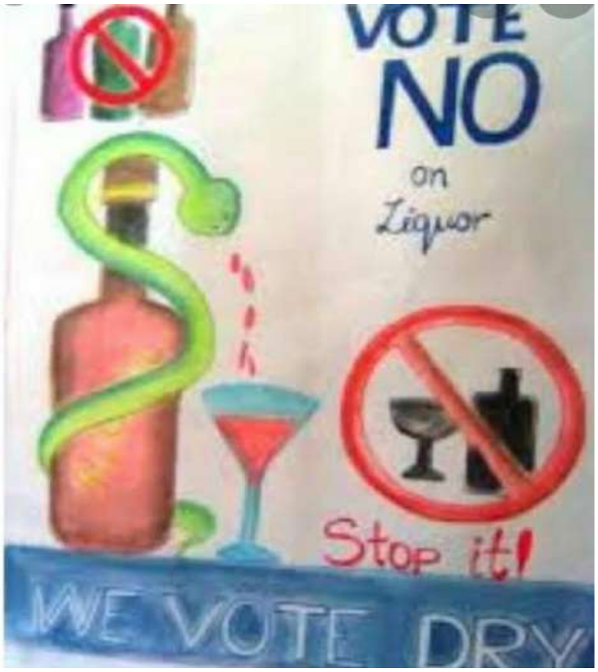

नशामुक्त समाज का दिया संदेश

दमोह. राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर शासकीय कमला नेहरू महिला महाविद्यालय में विविध आयोजन हुए। प्राचार्य डॉ. जीपी चौधरी द्वारा उनके सिद्धांतों सत्य, अहिंसाए सादा जीवन, उच्च विचार पर चलते हुए छात्राओं को अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया गया। वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. पीएल जैन ने आजादी को बनाए रखते हुए अहिंसा के मार्ग पर चलकर सामाजिक बुराइयों जैसे नशामुक्त समाज का निर्माण करने का संदेश दिया। इस अवसर पर डॉ. रेखा जैन, डॉ अरुण जैन, डॉ. केके उमाहिया, डॉ. डीके नेमा प्रणव मिश्रा, अंकित कुमार, ऋषि चंद गुप्ता, ब्रजेश मौर्य, जय अहिरवार, डॉ आभा अग्रवाल, डॉ. अल्का हिरकने डॉ. शिरीन खान, डॉ. रचना श्रीवास्तव डॉ. प्रिया तिवारी, अरुनाभ सेन रामलाल शर्मा, सुशील सिसोदिया डीआरडी दुबे, कुंवरवती भारती व छात्राओं सहित अन्य स्टाफ की मौजूदगी रही।

Article published in Institute magazine 'Prerna' by Dr. Mudita P. Shrivastava on human values

पुर्नजागरण आंदोलन में स्वामी विवेकानंद के सामाजिक विचार और वर्तमान में उसकी प्रासंगिकता

डॉ.मुदिता प्रवीण श्रीवास्तव
सह.प्राध्यापक समाजशास्त्र

''मैं ऐसे ईश्वर में विश्वास नहीं करता जो स्वर्ग में तो मुझे आनंद देगा पर इस जगत में मुझे रोटी भी नहीं दे सकता।''

स्वामी विवेकानन्द भारत की महान आत्मा थे, जिनके प्रति वर्तमान पीढ़ी ऋणी है और भावी पीढ़ी सदैव ऋणी रहेगी। उनके जीवन और चिंतन ने गांधी, तिलक, विपिनचंद्रपाल, लाजपत राय, अरविंद घोष, नेहरू सभी को प्रभावित किया। सामाजिक जड़ता और धार्मिक मूढ़ता को दूर करने का उन्होंने वैसा ही प्रयास किया जैसा किसी तालाब के सड़े हुए पानी को साफ करने के लिये किया जाता है।

हम प्रश्नों विसंगतियों और विभाजनों के दौर में जी रहे हैं भारतीय समाज में परिवर्तन की गति जितनी तेज है उतनी इससे पहले कभी न रही। केवल शहरी भारत ही नहीं, ग्रामीण भारत भी अकल्पनीय रूप से बदल रहा है सवाल यह है कि हम सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक, नैतिक और यहाँ तक कि साम्प्रतिक रूप से भी कहां पहुंच रहे हैं ? पुरानी व्यवस्था आंखों से ओझल होती जा रही है और नई व्यवस्था बहुत अराजक नजर आ रही है परंपरागत और आधुनिक भारत का अंत-संघर्ष नजर आता है ऐसे में आज स्वामी जी के विचार प्रासंगिक परिलक्षित होते हैं।

भारतीय सामाजिक कुरीतियाँ और विवेकानंद-

स्वामी जी अपने को सच्चा समाजवादी कहते थे। वे दो अर्थों में समाजवादी थे एक तो उन्होंने उच्च जातियों द्वारा निम्न जातियों के शोषण की भर्त्सना की तथा दूसरे उन्होंने देश के सब निवासियों के लिये समान अवसर के सिद्धांत का भी संवर्द्धन किया।

स्वामी विवेकानंद सामाजिक संगठन और सामाजिक मामलों में धर्म को घुसेड़ना पसंद नहीं करते थे और इसी कारण वे जात-पात साम्प्रदायिक और छुआछूत तथा सब तरह की विषमताओं के विरुद्ध थे। तत्कालीन भारतीय समाज की पतनोन्मुख दशा देखकर विवेकानंद के असहय कष्ट होता था। उन्होंने भारत के पतन के प्रमुख कारणों को ढूंढा और उनके निराकरण पर बल दिया। पतन के कारण थे- छुआछूत, श्रद्धा का अभाव, अंग्रेजियत और पाश्चात्य भौतिकवादी संस्कृति के प्रति अत्यधिक आकर्षण, बेईमानी, शारीरिक विकास की उपेक्षा छात्र-भावना का पतन और कुछ सीखने के प्रति उदासीनता भय ग्रंथी अथवा स्वयं को हीन-मानने की मनोदशा, मौलिकता तथा साहस की कमी, आलस्य, संकीर्ण दृष्टिकोण, धर्म की उपेक्षा और दुर्बलता और पिछड़ापन।

स्वामी विवेकानंद के हृदय में गरीबों और दलितों के लिए असीम सहानुभूति थी। इस दृष्टि से वे गांधीजी के अग्रवाहक थे। वे सबसे बड़े समाजवादी थे जो अमीर और गरीब के भेद को ठुकराकर पद-दलित को सीने से लगाने का संदेश देते थे और अपने कर्ममय जीवन में अपने मिशन में उन्होंने ये कर दिखाया। विवेकानंद ने शिक्षितों को इन शब्दों ने चुनौती दी - ''जब तक करोड़ों लोग भूख और अज्ञान के गोते खा रहे हैं तब तक मैं हर आदमी को एक विश्वास घातक मानता हूँ जिसने उनकी गाढ़ी कमाई के पैसे से शिक्षा पाई है और अब उन्हीं पर कोई ध्यान नहीं देता।''

विवेकानंद ने बाल-विवाह की भर्त्सना की और घोषित किया' 'जिस प्रथा के अनुसार अबोध बालिकाओं को पाणिग्रहण होता है उसके साथ मैं किसी प्रकार के संबंध रखने में असमर्थ हूँ।' 'विवेकानंद ने बाल-विवाह के दुष्परिणाम को स्पष्टतया सामने रखा और कहा कि ''बाल-विवाह में असामयिक संतानोत्पत्ति होती है और अल्पायु में संतान धारण करने के कारण हमारी स्त्रियाँ अल्पायु होती है उनकी दुर्बल और रोगी संतान देश में भिखारियों की संख्या बढ़ाने का कारण बनती है।''

स्वामी विवेकानंद ने प्रचलित जातिवाद को देश और समाज के लिये आत्मघातक मानते हुए कहा कि जातिभेद केवल एक सामाजिक विधान है जिसकी उपयोगिता भूतकाल में चाहे जो भी रही हो, वह भारतीय वायुमंडल में दुर्गन्ध फैलाने के अतिरिक्त कुछ नहीं करती। जाति-भेद का नाश तभी संभव है जब लोग अपने खोए हुए सामाजिक व्यक्तित्व को पुनः प्राप्त करेंगे। जातिप्रथा के विनाश के बारे में विवेकानंद की दृष्टि बहुत पैनी थी। उन्होंने भांप लिया कि आधुनिक प्रतिस्पर्धा के युग में जाति-विचार अपने आप नष्ट होता जा रहा है उसका नाश करने के लिए किसी धर्म विज्ञान की आवश्यकता नहीं है।

17

Hanging bird's feeders

Students preparing hanging bird feeders and hanging it on the tree by filling water in summer season.

Mask Distribution during COVID-19 by NSS unit

Mask distribution in Hridepur gram (Adopted village) to villagers by NSS volunteers

Visit to rehabilitation centre for Divyangjan

Self-motivation towards Cleanliness campaign

Rangoli Competition by Social Awareness club organized on 09.10.2021

'Rangoli showing Go Corona Go campaign'

Essay and poster competition by Health, Yoga and Social Club on 27.10.2021 on 'Awareness of female towards health'

Newspaper publication of Essay and poster competition by Health, Yoga and Social Club on 27.10.2021 on 'Awareness of female towards health'

आयोजन... निबंध और पोस्टर प्रतियोगिता में छात्राओं ने की सहभागिता

दमोह| केएन कॉलेज में शोध एवं नवाचार समिति के तहत स्वास्थ्य एवं योग क्लब द्वारा महिलाओं में स्वास्थ के प्रति जागरुकता विषय पर निबंध एवं पोस्टर प्रतियोगिता हुई। शुभारंभ प्राचार्य डॉ. जीपी चौधरी की अध्यक्षता में हुआ। इस बीच वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ किरण दुबे, डॉ पीएल जैन, डॉ. रेखा जैन, डॉ. मुदिता प्रवीण श्रीवास्तव ने अपने विचार व्यक्त किए एवं कार्यक्रम से संबंधित जानकारी दी। कार्यक्रम में डॉ.मालती नायक, डॉ. अवधेश जैन, दीपक सैनी, नयनतारा, डॉ असलम खान, भारती चौरसिया, जया अहिरवार, डॉ शीरींन खान,प्रिया थापा, डॉ राजेश पौराणिक, आभा, उमेश, ईशा की उपस्थिति रही।

Poster competition on 'NO To Liqor' on 07.10.2021 by Health , yoga and social club

Respected Principal sir observed the posters and ranks were allotted accordingly

Oath taken by students for vaccination against COVID-19 on 09.11.2021

Permission letter to head of sociology department from principal to visit old age home in damoh with students on 01.12.2022

कार्यालय प्राचार्य शासकीय कमला नेहरु महिला महाविद्यालय दमोह (म0प्र0)

Telephone 07812-222385 FAX 07812-222385
Email- hegkngcdam@mp.gov.in www.mpcolleges.nic.in/knmmdamoh

"NAAC Accredited B+"

क्रमांक/1060 शैक्षणिक भ्रमण/समाजशास्त्र/2022 दमोह, दिनांक 28/11/2022

प्रति,

डॉ0 मुदिता प्रवीण श्रीवास्तव,
सह प्राध्यापक, समाजशास्त्र
शासकीय कमला नेहरु महिला महाविद्यालय
दमोह (म.प्र.)

विषय :- समाजशास्त्र विभाग की स्नातक की छात्राओं को वृद्धाश्रम में शैक्षणिक भ्रमण की अनुमति बावत्।

संदर्भ :- आपका पत्र दिनांक 28/11/2022

---00---

विषयांतर्गत संदर्भित आवेदन पत्र के तारतम्य में लेख है कि स्नातक की छात्राओं को सामाजिक परिवेश से संबंधित उत्पन्न कठिनाइयों की जानकारी के लिये चाहे अनुसार शैक्षणिक भ्रमण हेतु दिनांक 01/12/2022 को वृद्धाश्रम दमोह प्रगमन के लिए एतद द्वारा अनुमति प्रदान की जाती है।

प्राचार्य
PRINCIPAL

पृ0 क्रमांक/ /शैक्षणिक भ्रमण/समाजशास्त्र/2022 दमोह, दिनांक 28/11/2022

प्रतिलिपि

1. उप संचालक पंचायत एवं सामाजिक न्याय विभाग रानी दमयंती संयुक्त कार्यालय, दमोह को सूचनार्थ।
2. प्रभारी, वृद्धाश्रम जिला चिकित्सालय मार्ग दमोह को सूचनार्थ एवं आवश्यक सहयोग हेतु।

प्राचार्य
PRINCIPAL
GOVT. K.N.M.M.
DAMOH

Certificate from old age home damoh authority, Dr Mudita P Shrivastava and Dr Umesh Dipankar visited there with students and distributed fruits and sweets to them and asked about their well being on 01.12.2022

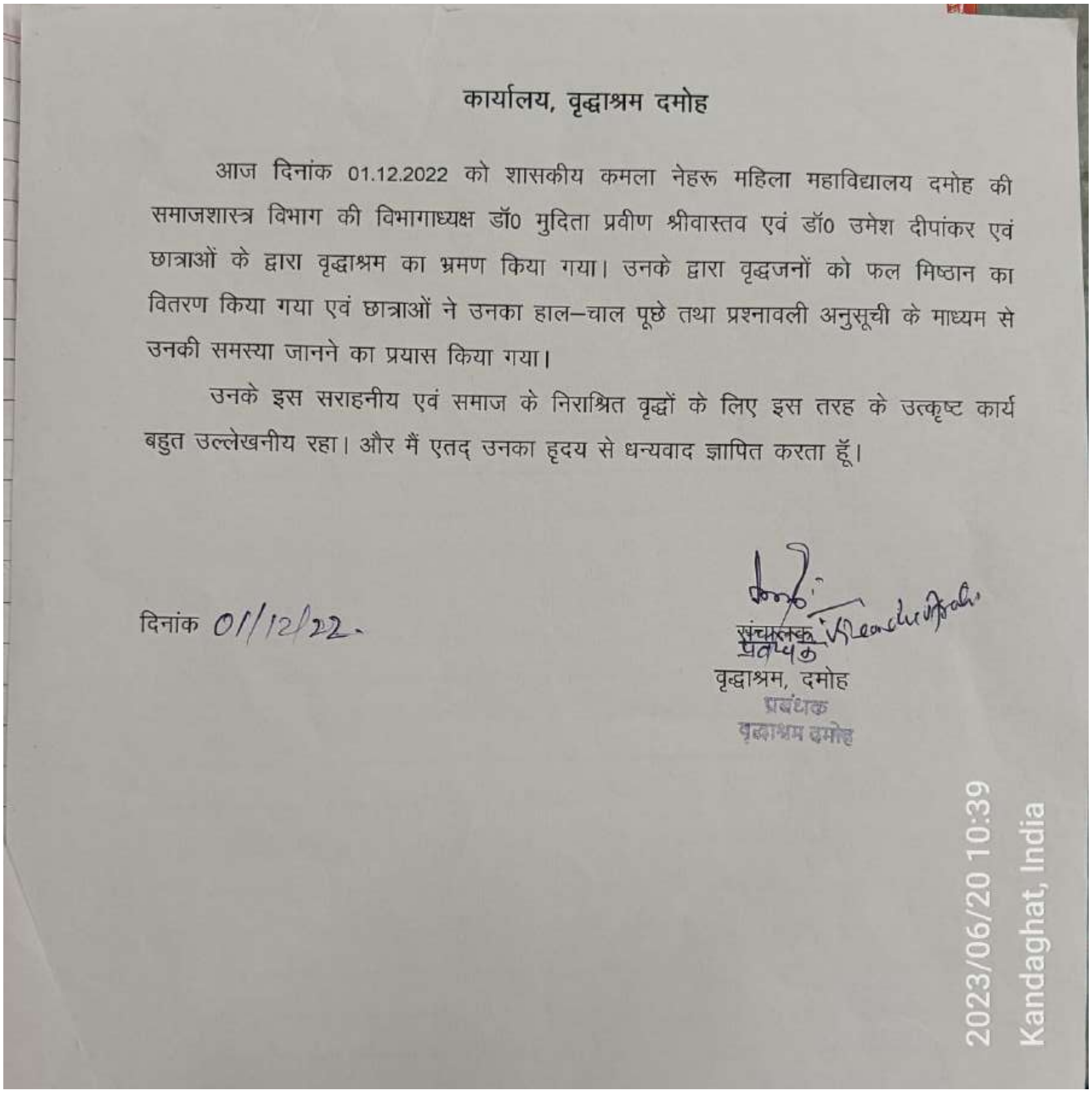

कार्यालय, वृद्धाश्रम दमोह

आज दिनांक 01.12.2022 को शासकीय कमला नेहरू महिला महाविद्यालय दमोह की समाजशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ० मुदिता प्रवीण श्रीवास्तव एवं डॉ० उमेश दीपांकर एवं छात्राओं के द्वारा वृद्धाश्रम का भ्रमण किया गया। उनके द्वारा वृद्धजनों को फल मिष्ठान का वितरण किया गया एवं छात्राओं ने उनका हाल–चाल पूछे तथा प्रश्नावली अनुसूची के माध्यम से उनकी समस्या जानने का प्रयास किया गया।

उनके इस सराहनीय एवं समाज के निराश्रित वृद्धों के लिए इस तरह के उत्कृष्ट कार्य बहुत उल्लेखनीय रहा। और मैं एतद् उनका हृदय से धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ।

दिनांक 01/12/22.

~~संचालक~~ प्रबंधक
वृद्धाश्रम, दमोह
प्रबंधक
वृद्धाश्रम दमोह

2023/06/20 10:39
Kandaghat, India

News paper publication of visit to old age home on 01.12.2022 by sociology dept, Govt. KNMM Damoh

कॉलेज की छात्राओं ने वृद्धाश्रम में बुजुर्गों का हाल जाना

भास्कर संवाददाता | दमोह

शासकीय कमला नेहरू महिला महाविद्यालय की समाजशास्त्र विभाग की छात्राओं को वृद्धाश्रम का भ्रमण कराया गया। विभागाध्यक्ष डॉ. मुदिता प्रवीण श्रीवास्तव एवं डॉ. उमेश कुमार दीपांकर एवं छात्राओं के द्वारा प्राचार्य डॉ. जीपी चौधरी के मार्गदर्शन में छात्राओं को भ्रमण कराया गया। जहां वृद्धजनों को फल मिठाई वितरित की गई। प्राचार्य डॉ. जीपी चौधरी एवं डॉक्टर रेखा जैन द्वारा वृद्धों को भेंट भी दी गई एवं छात्राओं ने उनके हालचाल पूछे। साक्षात्कार अनुसूची के माध्यम से उनकी सामाजिक समस्याओं को जानने का प्रयास किया गया। बीए प्रथम वर्ष की छात्रा हर्षिता गौतम ने अपना जन्मदिन वृद्धों के साथ केक काटकर मनाया। इस मौके पर प्राचार्य डॉ. जीपी चौधरी, भूगोल विभाग के प्राध्यापक डॉ. रेखा जैन, सौरभ खरे एवं समाजशास्त्र विभाग की समस्त छात्राएं शामिल हुईं।

कॉलेज में वोटर आईडी बनाने शिविर लगाया

स्वीप गतिविधियों के अंतर्गत शासकीय कमला नेहरू महिला महाविद्यालय में नए मतदाताओं का वोटर आईडी कार्ड बनाने शिविर लगाया गया। छात्राओं में वोटर आईडी बनवाने उत्साह दिखाया। वोटर आईडी बनाने के लिए तहसील से टीम कॉलेज पहुंची थी। शिविर का आयोजन प्राचार्य जीपी चौधरी की अध्यक्षता में किया गया। इसमें इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब के संयोजक ब्रजेश मौर्य एवं सदस्य दीपक सैनी, डॉ. अपर्णा गोस्वामी, डॉ. शिरीन खान, डॉ. चंद्रशेखर राठौर, डॉ. दिनेश पटेल, डॉ. ममता संघी का योगदान रहा।

एड्स दिवस पर छात्राओं ने स्लोगन लिखे

शासकीय कमला नेहरू महिला महाविद्यालय विश्व एड्स दिवस स्लोगन एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन प्राचार्य डॉ. जीपी चौधरी के मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर छात्राओं ने एड्स के प्रति जागरूकता के लिए नारे लिखकर लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया। एड्स दिवस का है नारा एड्स मुक्त हो विश्व हमारा स्लोगन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर अपर्णा दुबे, द्वितीय प्रगति पाठक तृतीय करुणा तिवारी रहीं।

3. ENVIRONMENT AND SUSTAINABILITY

Greenary in the Campus

Botanical garden covered by green shade to protect plants during summer, in the campus

Botanical Garden in the campus during winter and rainy season

Subject: Foundation Course (II year)

Paper: Environment Study

6

Department of Higher Education ,Govt. Of M.P.
Under Graduate year wise syllabus
As recommended by Central Board of Studies and Approved by the Governor of M.P.

Class- B.A./ B.com./ B.Sc. (Home Science) 2 Year
Subject – Foundation course
Session - 2020-2021

Unit -1 Study of Environment and Ecology

(a) Definition and Importance.
(b) Public participation and public awareness.
(c) Ecology – Introduction
(d) Ecosystem – Concepts, components , structure & function , energy flow chain food web, ecological pyraiods and types.

Units - 2 Environmental Pollution and population
(a) Air, Water , noise , heat and nuclear pollution- definition, causes, effect and prevention of pollution.
(b) Population growth, disparities between countries.
(c) Population explosion, family welfare programme.
(d) Environment and human health.
(e) Cleanliness and disposal of domestic waste.

Unit 3- Natural resources, problems and conservation
(a) Water resources
(b) Forest resources
(c) Land resources
(d) Food resources
(e) Energy resources

Unit 4- Bio Diversity and its protection
(a) Introduction – Genetic, Species and ecosystem diversity.
(b) Value Of Bio –diversity – consumable use: Productive use social Moral and Aesthetic Values.
(c) India as a nation of mega bio-diversity centre bio – diversity at national and local levels
(d) Threats to bio- Diversity- loss of habitat , poaching of wildlife, man and wildlife conflicts.

Units 5- Disaster Management and Environmental laws

Subject: Botany (MSc IV Semester)

Paper: Plant Ecology

MAHARAJA CHHATRASAL BUNDELKHAND UNIVERSITY, CHHATARPUR

Department of Higher Education, Govt. of M.P.
Semester wise syllabus for Postgraduates
As recommended by Central Board of Studies and
Approved by H.E. the Governor of M.P

M. Sc. Botany (Semester System)

Th. + CCE
42 + 08 = 50

First Semester
Course PG 104: Plant Ecology

UNIT I: **Population Ecology**: Ecology & ecosystem: Definitions, Organization and components, Population & Environment; Population ecology, density & distribution, Natality, Mortality, Survivorship curves, Age structure & pyramids, Fecundity schedules, Life tables; Population growth – exponential and logistic curves; Intra specific competition and self regulation; r-and k-strategists.

UNIT II: **Community organization**: Concepts of community and continuum; Analysis of community analytical and synthetic characters, Community coefficients and indices of diversity, interspecific association negative and positive associations; Concept of ecological niche; Concepts of biodiversity; evolution and differentiation of species – allopatric & sypatric speciation; ecads and ecotypes.

UNITIII: **Ecosystem development and stability**: Temporal changes cyclic and non cyclic; Succession processes & types; Mechanism of succession facilitation, Tolerance and inhibition models; Concept of climax persistence resilience and resistance; Ecological perturbation natural and anthropogenic, Ecosystem restoration.

UNIT IV:**Fate of energy in ecosystems**: Trophic organization and structure, Food chains & webs; energy flow pathways, Ecological efficiencies consumption, assimilation and production trophic; Primary production methods of measurement, Global patterns, Limiting factors.

UNIT V: **Fate of matter in ecosystems**: Recycling pathways; Relationship between energy flow and recycling pathways; Nutrient exchange and cycling; Global biogeochemical cycles of C, N, P and S; Physical, chemical and Biological characteristics of soil.

Suggested Readings

Smith. R.L. 1996. Ecology and Field Biology. Harper Collins. New York.
Muller-Dombois. D. and Ellenberg. H.1974. Aims and Methods 01 Vegetation Ecology, Wiley, New York
Begon. M.. Harper, J.L. and Townsend, C.R. 1996. Ecology. Blackwell Science. Cambridge.
Ludwig. J. and Reynolds. J.F. 1988. Statistical Ecology. John Wiley & Sons.
Odum. E.P. 1971. Fundamentals of Ecology. Saunders, Philadelphia.
Odum, E.P. 1983. Basic Ecology. Saunders, Philadelphia.
;Barbour, M.G., Burk, J.H. and Pitts, W.O. 1987. Terrestrial Plant Ecology. Cummings Publication Company, California.
Kormondy, E.J. 1996. Concepts of Ecology. Prentice-Hall of India Pvt. Ltd., New Delhi.
Chapman, J.L. and Reiss, M.J. 1988. Ecology: Principles and Applications. t::ambridge University Press, Cambridge, U.K.
Moldan, B. and Billharz, S. 1997. Sustainability Indicators. John Wiley & Sons, New York.

8.7.21

8.7.2021

Subject: Botany (BSc I year)

Paper: Applied Botany

Part A Introduction				
Program: Certificate		Class: B.Sc. 1st year	Year : 2021	Session: 2021-22
Subject: Botany				
1	Course Code	S1-BOTA1T		
2	Course Title	Applied Botany (Paper I)		
3	Course Type (Core Course/Elective/Generic Elective/Vocational/.....)	Core Course		
4	Pre-requisite (if any)	To study this course, a student must have had the subject Biology/ Life Sciences/ Agriculture in class/12th		
5	Course Learning outcomes (CLO)	By the end of this course the student should have: • Understood the significance and role of botany. • Learnt the basic aspects of applied botany. • Gained knowledge about employment opportunities in field of botany • Gained knowledge about start-up opportunities in the field of botany • Learnt about opportunities of social services • Gain knowledge about best health practices		
6	Credit Value	04 Credits		
7	Total Marks	Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks:33	

Part B- Content of the Course		
Total No. of Lectures- 60 Hours Tutorials- 00 Practical -00 (04 hours per week): L-T-P:		
Unit	Topics	No. of Lectures
I	1.1Introduction, objectives and importance of Applied botany 1.2 History and evolution of botany 1.3 Relation of plants to man and relation with other services 1.4 Various disciplines of botany and theirapplications to human welfare	12
II	1.1 Definition and types of pollution and pollutants **1.2 Phytoremediation:** Air, water, soil, noise and thermal pollutants (Any 5 plants with botanical name, family) and their role in pollution control. 1.3Bioremediation: definition and types	12
III	1.1Ancient agricultural practices. **1.2Modern agriculture practices:** Polyhouse, Drip irrigation, hydroponics, computer-based agriculture,	12

K W Shah 29/5/21
(Dr. K. W. SHAH)

Subject: Zoology (BSc III year)

Paper: Ecology and Applied Zoology

MAHARAJA CHHATRASAL BUNDELKHAND UNIVERSITY. CHHATARPUR

Department of Higher Education, Govt. of M.P.
Under Graduate Syllabus for B.Sc (Bio) 3 Year
AS recommended by Central Board of Studies in Zoology
उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन
स्नातक कक्षाओं के लिऐ त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल प्राणीशास्त्र द्वारा अनुशंसित

ClaSS / कक्षा	:	B.Sc III year
Paper	:	II
Subject/ विषय	:	प्राणीशास्त्र
Title of Paper	:	पारस्थितिकी एवं व्यवहारिक प्राणी शास्त्र
Max. Mark/ अधिकतम अंक	:	40

इकाई–I पारिथतिकी की अवधारणा :–
1. अजैविक एवं जैविक घटक, पारस्थितिकी तंत्र के घटक
2. पारस्थितिकी तंत्र मे उर्जा प्रवाह, श्रृंखला, खाद्य जाल तथा पिरामिड
3. जैवभूरासायनिक चक्र– कार्बन, ऑक्सीजन, नाइट्रोजन तथा फॉस्फोरस
4. जनसंख्या अवधारणाः जनसंख्या की विशेषताऐं, जनसंख्या वृद्धि को प्रभावित करने वाले कारक
5. समुदायः समुदाय की विशेषताएं

इकाई–II आवासीय पारस्थितिकी :–
1. स्वच्छ जलीय,
2. समुद्रीय तथा
3. स्थलीय आवास
4. भारत का पारस्थितिकीय विभाजन
5. जैवविविधता, प्राकृतिक संसाधन तथा उसका संरक्षण (विशेष रूप से वनो के संदर्भ में)

इकाई–III वन्य जीव एवं पर्यावरण :–
1. वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, मध्य प्रदेश के राष्ट्रीय उद्यान तथा अभ्यारण्य
2. भारत की संकटापन्न प्रजातियाँ
3. प्रदूषण के प्रकारः वायु, जल, भूमि, तापीय तथा ध्वनि प्रदूषण
4. नगरीयकरण तथा पर्यावरण पर मानव जनसंख्या का प्रभाव

इकाई–IV जलसंवर्धन :–
1. झींगा संवर्धन :– स्वच्छ जलीय झींगा संवर्धन, झींगा मत्स्यन, संरक्षण एवं प्रक्रमण ।
2. मोती संवर्धन तथा मोती उद्योग।
3. मेढक संवर्धन
4. मेजर कार्प संवर्धनः– तालाब प्रबंधन, मत्स्य परिरक्षण एवं प्रक्रमण
5. जलशाला एवं उसका प्रबंधन

इकाई–V व्यावसायिक कीट विज्ञान :–
1. रेशमकीट संवर्धनः– रेशमकीट प्रजातियां, बॉम्बिक्स मोरी का जीवन चक्र, भारत में रेशम उद्योग
2. मधुमक्खी पालन :– मधुमक्खी का जीवन चक्र, संवर्धन, मधुमक्खी के उत्पाद, मधुमक्खी के शत्रु
3. लाख कीट संवर्धन :– लाख कीट का जीवन चक्र तथा लाख कीट के पोषक पादप
4. सामान्य पीड़कः– भंडारित अनाजो के पीड़क – 1. साइटोफिलस ओराइजी तथा ट्राइबोलियम केस्टैनियम। 2. सब्जियो के पीड़कः– पीयर्स ब्रैसिका तथा डैकस कुकरबिटी
5. कीट पीड़को का जैविक नियंत्रण

Subject: Economics

Paper: Development & Environmental Economics

MAHARAJA CHHATRASAL BUNDELKHAND UNIVERSITY. CHHATARPUR

B.A. / B.sc II & III Year (Economics) (1)

बी. ए. द्वितीय वर्ष – अर्थशास्त्र प्रथम प्रश्न पत्र – समष्टि अर्थशास्त्र (नियमित 40 / स्वाध्यायी 50)
B.A. II Year – Economics First Paper – Macro Economics (Regular 40/ Private 50)
2020-2021 – अर्थशास्त्र द्वितीय प्रश्न पत्र – सार्वजनिक वित्त एवं अंतर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र (नियमित 40 / स्वाध्यायी 50)
B.A. II Year – Economics Second Paper – Public Finance & International Economics (Regular 40/ Private 50)

बी. ए. तृतीय वर्ष – अर्थशास्त्र प्रथम प्रश्न पत्र – विकास एवं पर्यावरण अर्थशास्त्र (नियमित 40 / स्वाध्यायी 50)
B.A. III Year – Economics First Paper – Development & Environmental Economics (Regular 40/ Private 50)
2021-2022 – अर्थशास्त्र द्वितीय प्रश्न पत्र – सांख्यिकी (नियमित 40 / स्वाध्यायी 50)
B.A. III Year – Economics Second Paper – Statistics (Regular 40/ Private 50)

परीक्षा अंक योजना

Examination Marking Scheme

नियमित विद्यार्थियों के लिये 20 अंक का आंतरिक मूल्यांकन (10 अंक त्रैमासिक एवं 10 अंक छमाही) प्रत्येक प्रश्न पत्र में 40 का अंक विभाजन खण्ड 'अ' वस्तुनिष्ठ प्रश्न 5×1=5 खण्ड 'ब' लघुउत्तरीय प्रश्न 5×2=10 खण्ड 'स' दीर्घउत्तरीय प्रश्न 5×5=25 Internal Assessment for regular Students is 20 Marks (10 Marks for Quarterly and 10 for Half yearly Assessment) Marks Division of 40 Marks for Each Question Paper is as Bellow: Section 'A' – Objective Questions 5X1 = 5 Section 'B' – Short Answer Questions 5X2 = 10 Section 'C' – Long Answer Questions 5X5 = 25	स्वाध्यायी विद्यार्थियों के लिये प्रत्येक प्रश्न पत्र में 50 अंक का विभाजन खण्ड 'अ' वस्तुनिष्ठ प्रश्न 5×1=5 खण्ड 'ब' लघुउत्तरीय प्रश्न 5×3=15 खण्ड 'स' दीर्घउत्तरीय प्रश्न 5×6=30 Marks Division of 50 Marks for Each Question Paper is as Bellow: Section 'A' – Objective Questions 5X1 = 5 Section 'B' – Short Answer Questions 5X3 = 15 Section 'C' – Long Answer Questions 5X6 = 30

‘Swachchhata evam Jal Saksharta Karyakram (Literacy Program on Cleanliness and Water)

One Day Program with ***Waterman of India Mr. Rajedra Singh*** in presence of Union Minister Jal Shakti of India Mr Prahlad Patel

Date: 12 Jan 2022

Plantation Activity within the campus by Eco Club on 15. 09.2021

Article published in Institute magazine 'Prerna' by Dr. Brajendra Kusmariya on Prominent tools in synthetic pathways of Green Technology

PROMINENT TOOLS IN SYNTHETIC PATHWAYS OF GREEN TECHNOLOGY : MICROWAVE & ULTRASONIC IRRADIATION

Dr.Brajendra Singh Kusmariya
Assistant Professor,Chemistry

Scientists must design safer and cleaner approaches to manufacture the products need by mankind.

INTRODUCTIONThe term "green chemistry" is defined as "the invention, design and application of chemical products and processes to reduce or to eliminate the use and generation of hazardous substances." Green Chemistry can diminish the need for other approaches to environmental protection. Ideally, the application of green chemistry principles and practice renders regulation, control, clean-up, and remediation unnecessary, and the resultant environmental benefit can be expressed in terms of economic impact.

Green Chemistry is an effort towards eliminating pollution by making chemical products that do not harm either our health or the environment and by using production processes that reduce or eliminate hazardous chemicals, Green Chemistry prevents pollution at it's source rather cleaning up the mess later.

It is high time that the chemists start thinking about chemical process in the same way i.e. instead of finding wys to dispose off the waste produced during the process, the later should be modified in a way that no waste is produced. Scientists must design safer and cleaner approaches to manufacture the products we need.

Green Chemistry with its 12 principles would like to see changes in the conventional ways that were used for decades to make synthetic organic chemical substances and the use of less toxic starting materials. Green Chemistry would like to increases the efficiency of synthetic methods, to use less toxic solvents, reduce the stages of the synthetic routes and minimize waste as far as practically possible. Prof Paul Anastas (father of Green Chemistry) and Prof John Warner have postulated 12 principles for practicing Green Chemistry.

1. Prevention : It is better to prevent waste than to treat or clean up waste after it has been created.
2. Atom Economy
3. Less Hazardous Chemical Syntheses
4. Designing Safer Chemicals
5. Safer Solvents and Auxiliaries
6. Design for Energy Efficiency
7. Use of Renewable Feedstock.
8. Reduce Derivatives.
9. Catalysis
10. Design for Degradation
11. Real-time analysis for Pollution Prevention
12. Inherently Safer Chemistry for Accident Prevention

The use of microwave radiation has become a widerpread and convenient

Urja Saksharta Abhiyan (USHA)

College Level Activities on energy uses and consumption dated 07.11.2022

Newspaper publication on efficient usage of energy for seminar on USHA held on 07.11.2022

सागर, मंगलवार 08 नवंबर, 2022 02

ऊर्जा की बचत करने से पर्यावरण की बचत होगी

दमोह|केएन कॉलेज में आयोजित जिला स्तरीय संगोष्ठी में मौजूद अतिथि।

ऊर्जा साक्षरता विषय पर जिला स्तरीय संगोष्ठी

भास्कर संवाददाता|दमोह

शासकीय केएन कॉलेज में ऊर्जा साक्षरता अभियान के तहत जिला स्तरीय संगोष्ठी हुई। जिसमें जिले के विभिन्न महाविद्यालय ने अपनी सहभागिता निभाई। प्राचार्य डॉ. जीपी चौधरी ने सभी लोगों को ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूक रहने का का संदेश दिया, ताकि ऊर्जा संकट से निपटा जा सके। साथ ही अपने आसपास के उपलब्ध संसाधनों का आवश्यकता अनुसार प्रयोग करने की बात कही। डॉ. आलोक जैन ने कहा कि ऊर्जा की बचत करके हम पर्यावरण की बचत कर सकते हैं। सभी को ऊर्जा संरक्षण पर ध्यान देने की जरूरत है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्रो. प्रमोद कुमार ढाका ने सतत विकास एवं परंपरागत स्रोत के प्रयोग में लाने की बात कही। प्रो. पीएल जैन ने ऊर्जा के विभिन्न नवीन स्त्रोतों का वर्णन किया एवं ऊर्जा बचत की जानकारी। डॉ. असलम खान ऊर्जा साक्षरता अभियान के आयोजन के प्रयोजन को रखा। इसी के साथ महाविद्यालय में गठित इको क्लब के अंतर्गत रंगोली एवं पोस्टर, भाषण और क्विज और लोक नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। संचालन डॉ राजेश पौराणिक व आभार डॉ. अपर्णा गोस्वामी ने व्यक्त किया।

USHA vehical in Govt. Kamla Nehru Mahila Mahavidyalaya, Damoh, for awareness of Energy efficient appliances

Certificate on successful training program on USHA app

World Environment Day celebration notice showing committee for various activities

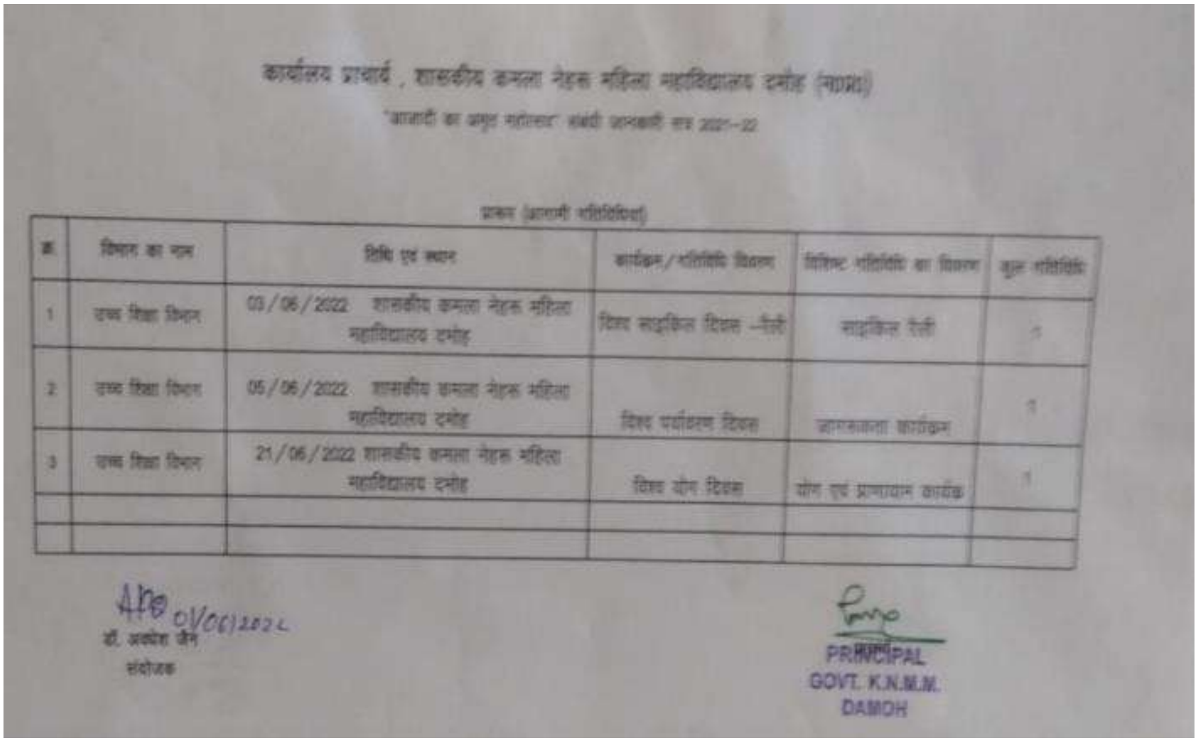

कार्यालय प्राचार्य , शासकीय कमला नेहरू महिला महाविद्यालय दमोह (म.प्र.)

"आजादी का अमृत महोत्सव" संबंधी जानकारी सत्र 2021–22

प्रारूप (आगामी गतिविधियां)

क्र.	विभाग का नाम	तिथि एवं स्थान	कार्यक्रम/गतिविधि विवरण	विशिष्ट गतिविधि का विवरण	कुल गतिविधि
1	उच्च शिक्षा विभाग	03/06/2022 शासकीय कमला नेहरू महिला महाविद्यालय दमोह	विश्व साइकिल दिवस –रैली	साइकिल रैली	1
2	उच्च शिक्षा विभाग	05/06/2022 शासकीय कमला नेहरू महिला महाविद्यालय दमोह	विश्व पर्यावरण दिवस	जागरूकता कार्यक्रम	1
3	उच्च शिक्षा विभाग	21/06/2022 शासकीय कमला नेहरू महिला महाविद्यालय दमोह	विश्व योग दिवस	योग एवं प्राणायाम कार्यक	1

01/06/2022
डॉ. अलोक जैन
संयोजक

PRINCIPAL
GOVT. K.N.M.M.
DAMOH

Cleanliness drive by students to protect environment

Use of energy efficient equipments

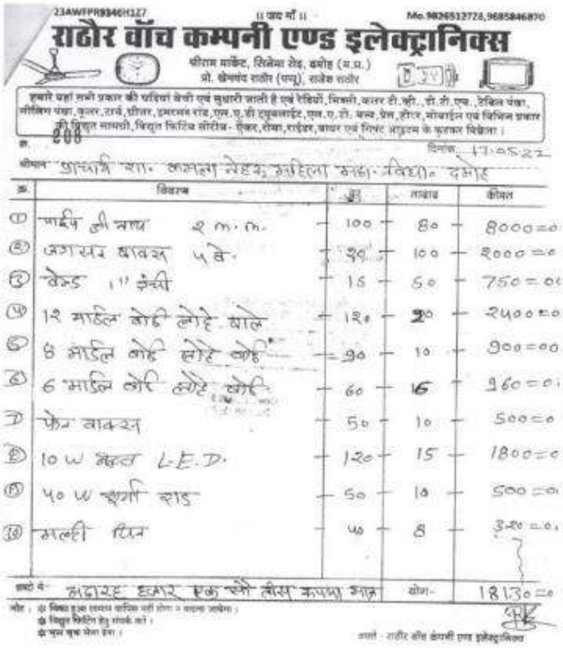

23AWFPR9346H1Z7 ॥ जय माँ ॥ Mo. 9826512728, 9685846870

राठौर वॉच कम्पनी एण्ड इलेक्ट्रानिक्स

श्रीराम मार्केट, सिनेमा रोड, दमोह (म.प्र.)

प्रो. खेमचंद राठौर (पप्पू), राजेश राठौर

क्र. 208 दिनांक 17.05.22

श्रीमान प्राचार्य शा. कमला नेहरू महिला महा. विद्या. दमोह

क्र.	विवरण	नग	भाव	कीमत
1	पाईप ही नाय 2 m.m.	100	80	8000=00
2		20	100	2000=00
3	बेन्ड 1"	15	50	750=00
4		120	20	2400=00
5		90	10	900=00
6		60	16	960=00
7		50	10	500=00
8	10 W L.E.D.	120	15	1800=00
9	40 W	50	10	500=00
10		40	8	320=00
			योग-	18130=00

कृते - राठौर वॉच कंपनी एण्ड इलेक्ट्रानिक्स

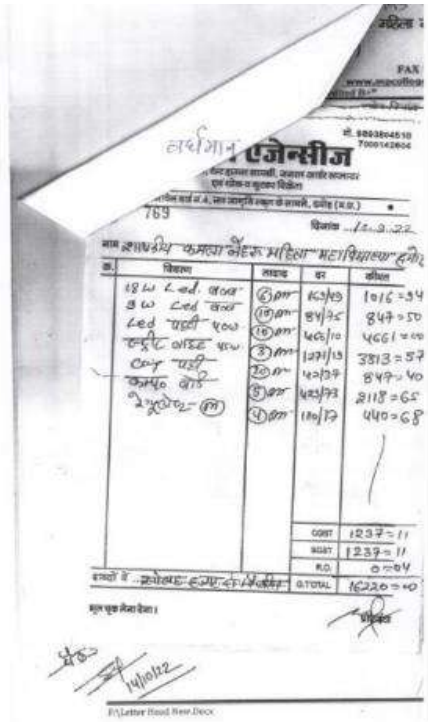

एजेन्सीज

मो. 9893804510, 7000142604

769 दिनांक 12.9.22

क्र.	विवरण	तादाद	दर	कीमत
	18 W Led	6	169/39	1016=34
	9 W Led	10	84/75	847=50
	Led	10	466/10	4661=00
		3	1271/19	3813=57
		20	42/37	847=40
		5	423/73	2118=65
		4	110/17	440=68
			CGST	1237=11
			SGST	1237=11
			R.O.	0=04
			G.TOTAL	16220=00

14/10/22

F:\Letter Head New.Docx

Use of LED bulbs

Notice on Energy Conservation in the campus

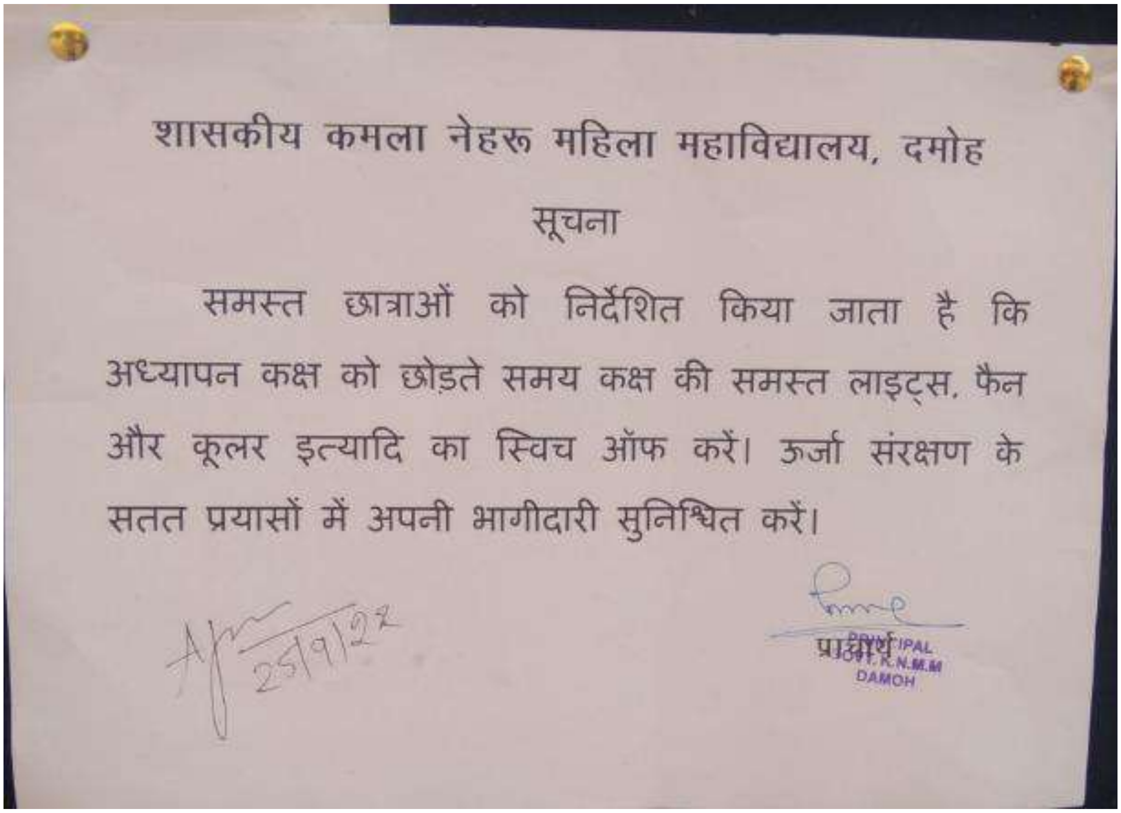
शासकीय कमला नेहरू महिला महाविद्यालय, दमोह

सूचना

समस्त छात्राओं को निर्देशित किया जाता है कि अध्यापन कक्ष को छोड़ते समय कक्ष की समस्त लाइट्स, फैन और कूलर इत्यादि का स्विच ऑफ करें। ऊर्जा संरक्षण के सतत प्रयासों में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

प्राचार्य

PRINCIPAL
GOVT. K.N.M.M
DAMOH

Promotion of less use of Plastic by displaying posters in the college

Green Audit 2021-21

Green Audit Certificate

This is to certify that

Government Kamla Nehru Girls College, Damoh

has successfully conducted "Green Audit" of the college campus in the year 2020-21. In Government Kamla Nehru Girls College Campus following plants were found:-

Bombax ceiba, Thuja occidentalis, Euphorbia hirata, Tradescantia virginiana, Hibiscus sps, Phyllanthus niruri, Moringa oleifera, Dacrycarpus dacrydioidides, Murraya paniculata, Polyalthia longifolia, Cycas revolta, Psidium guajava, Ficus religiosa, Mangifera indica, Neolamarckia cadamba,Thevetia peruviana, Dalbergia sissoo, Eucalyptus oblique and Pithecellobium dulce.

HoD, Botany
(Mr. Deepak Kumar Saini)

D.K. SAINI
Head, Botany Department
Govt. Kamla Nehru Girls College
DAMOH (M.P.)-470661

External Expert
(Dr. N. R. Suman)
HoD, Botany, PG College
Damoh

Administrative Officer
(Dr. N. P. Nayak)

IQAC Coordinator
(Dr. P. L. Jain)

Seen

Principal
(Dr. G. P. Choudhary)

PRINCIPAL
GOVT. K.N.M.M.
DAMOH

Green Audit 2019-20

Green Audit Certificate

This is to certify that

Government Kamla Nehru Girls College, Damoh

has successfully conducted "Green Audit" of the college campus in the year 2019-20. In Government Kamla Nehru Girls College Campus following plants were found.

Bombax ceiba, Thuja occidentalis, Euphorbia hirata, Tradescantia virginiana, Phyllanthus niruri, Moringa oleifera, Dacrycarpus dacrydioidides, Murraya paniculata, Polyalthia longifolia, Cycas revolta, Psidium guajava, Ficus religiosa, Mangifera indica, Neolamarckia cadamba, Thevetia peruviana, Dalbergia sissoo, Eucalyptus oblique and Pithecellobium dulce.

HoD, Botany
Mr. Deepak Kumar Saini

D.K. Saini
Head, Botany Department
Govt. Kamla Nehru Girls College
DAMOH (M.P.)-470661

External Expert
Dr. N. R. Suman
HoD, Botany, PG College Damoh

Administrative Officer
Dr. N. P. Nayak

IQAC Coordinator
Dr. P. L. Jain

Principal
Dr. G. P. Choudhary

PRINCIPAL
GOVT. K.N.M.M.
DAMOH

Solar Panel installed in the campus

4. PROFESSIONAL ETHICS

Subject: Foundation Course (II year)

Paper: Entrepreneurship Development , course learning outcomes shows inculcating professional ethics in students

Part A : Introduction			
Program: DIPLOMA	Class: B. Sc./B. Com/B.A./B.H.Sc. II Year	Year: II	Sessions: 2022-2023

Subject: Entrepreneurship Development			
1.	Course code	X2-FCACIT	
2.	Course Title	Entrepreneurship Development	
3.	Course Type (Core/Electric/Generic/Elective/Vocational/...)	Foundation	
4.	Pre-requisite (if any)	-	
5.	Course learning outcomes (CLO)	This course introduces the students to the basics of entrepreneurship and small business management. Students gain an understanding of how to establish and manage a small business. • Helps in building the skills, framework and knowledge of entrepreneurship and new venture creation. • Helps the students in understand the importance of the planning process and learn how to develop, write and present an effective business plans for a new venture.	
6.	Credit Value	02	
7.	Total Marks	Max Marks: 50	Min Marks: 17

Subject: Foundation Course (II year)

Paper: Entrepreneurship Development

Part A Introduction		
Program: Certificate	Year: First Year	Session:2021-22

Course Code	V1-COM-FINT
Course Title	FINANCIAL SERVICES AND INSURANCE
Course Type	Vocational
Pre-requisite (if any)	Open for All
Course Learning outcomes (CLO)	After studying this Course, the Student will be able to; 1. Understand the functions of Banking and Insurance services. 2. Know about and able to perform various financial services such as Banking, Investment Advisory, Wealth Management, Mutual Funds, Insurance Consultancy, Stock Market, Capital Restructuring, Portfolio Management etc. 3. Enhances knowledge about the legal and regulatory aspects of Banking & Insurance. 4. Aware about the financial derivatives. 5. Develop skills to work in financial and insurance services.
Expected Job Role / career opportunities	Financial Consultant
Credit Value	4

Article published in Institute magazine 'Prerna' by Dr KK Umahiya on Professional ethics

लघु-शोध

डॉ.के.के.उमाहिया प्राध्यापक,वाणिज्य

अपने भैया जी नकल करके हायर सेकेण्डरी पास कर गये,बी.एस.सी. प्रायवेट कॉलेज से उत्तीर्ण होकर प्राणी शास्त्र से एम.एस.सी. अंतिम वर्ष में कीड़े की प्रवृत्ति पर लघु शोध लिखा। सारांश यह था, एक कीड़ा चार टांगों वाला पकड़ा, एक पैर तोड़ दिया, और कहा चल,कीड़ा धीमी गति से चक्कर काटने लगा। उन्होंने निष्कर्ष लिखा-तीन पैर होने पर वह नाचने लगा। एक पैर और हटा दिया, कहा चल, कीड़ा धीमी गति स चल पड़ा, निष्कर्ष लिखा दो पैर होने पर कीड़ा आलसी हो जाता है, तीसरा पैर अलग होने पर वह गोल गोल घूमने लगा, निष्कर्ष लिखा एक पैर होने पर कीड़ा कामचोर हो जाता है। चौथा पैर भी भैया जी ने तोड़ दिया और कहा चल, अब कीड़ा निढाल था कोई प्रतिक्रिया नहीं दे रहा था। भैया जी ने अंतिम निष्कर्ष निकाला, चारों पैर गवाने के बाद कीड़ा बहरा हो जाता है, और कुछ घंटों बाद बहरा होने के कारण मर जाता है।

भैया जी अब डॉक्टर बन गये। एक मरीज पैरों में दर्द का इलाज कराने पहुंचा, उन्होंने एक पैर को नीला देखा, कहा इसमें जहर फैल गया है,पैर काटना पड़ेगा। मरीज तैयार हो गया एक पैर काट दिया। महीने भर बाद बैसाखी की सहायता से वह भैया जी के पास फिर पहुंचा, कहा अब इसमें भी दर्द हो रहा है, पैर देखकर भैया जी ने कहा इस पैर में भी जहर का असर हो गया है, इसे भी काटना पड़ेगा। मरता क्या न करता, दूसरा पैर भी कटवा दिया। तीसरी बार मरीज लुंगी पहने क्लीनिक पहुंचा। कहा अब घुटने में दर्द है। भैया जी ने गहन जांच करते हुये कहा, अब समझ में आया तुम्हारे पैरे नीले क्यों थे। जिन्हें जहर समझ कर काटना पड़ा। दरअसल तुम्हारी लुंगी कलर छोड़ रही है। आइंदा पक्के कलर वाली लुंगी पहनना वरना कोई अनाड़ी नौसिखिया डॉक्टर तुम्हारे घुटने भी काट देगा।

"पैसा"

पैसा एक ही भाषा बोलता है,
अगर तुमने आज मुझे बचा लिया,
तो कल मैं तुम्हें बचा लूंगा।
भले ही मैं ऊपर साथ नहीं जाऊंगा,
पर जब तक मैं नीचे हूं
तुझे बहुत ऊपर लेके जाऊंगा।।

"समय"

समय न लगाओ तय करने में,
कि आपको क्या करना है।
वरना समय तय कर लेगा कि
आपका क्या करता है।।

"समझदार लोग उस जगह हमेशा चुपचाप रहते हैं,
जहाँ दो कौड़ी के लोग अपना गुणगान करते हैं।"

16

Lecture on Intellectual Property Right

Date: Aug 4th, 2022

Place: Seminar Hall, Govt Kamla Nehru Mahila Mahavidyalaya Damoh

Speaker: Mr Ramashish Paul

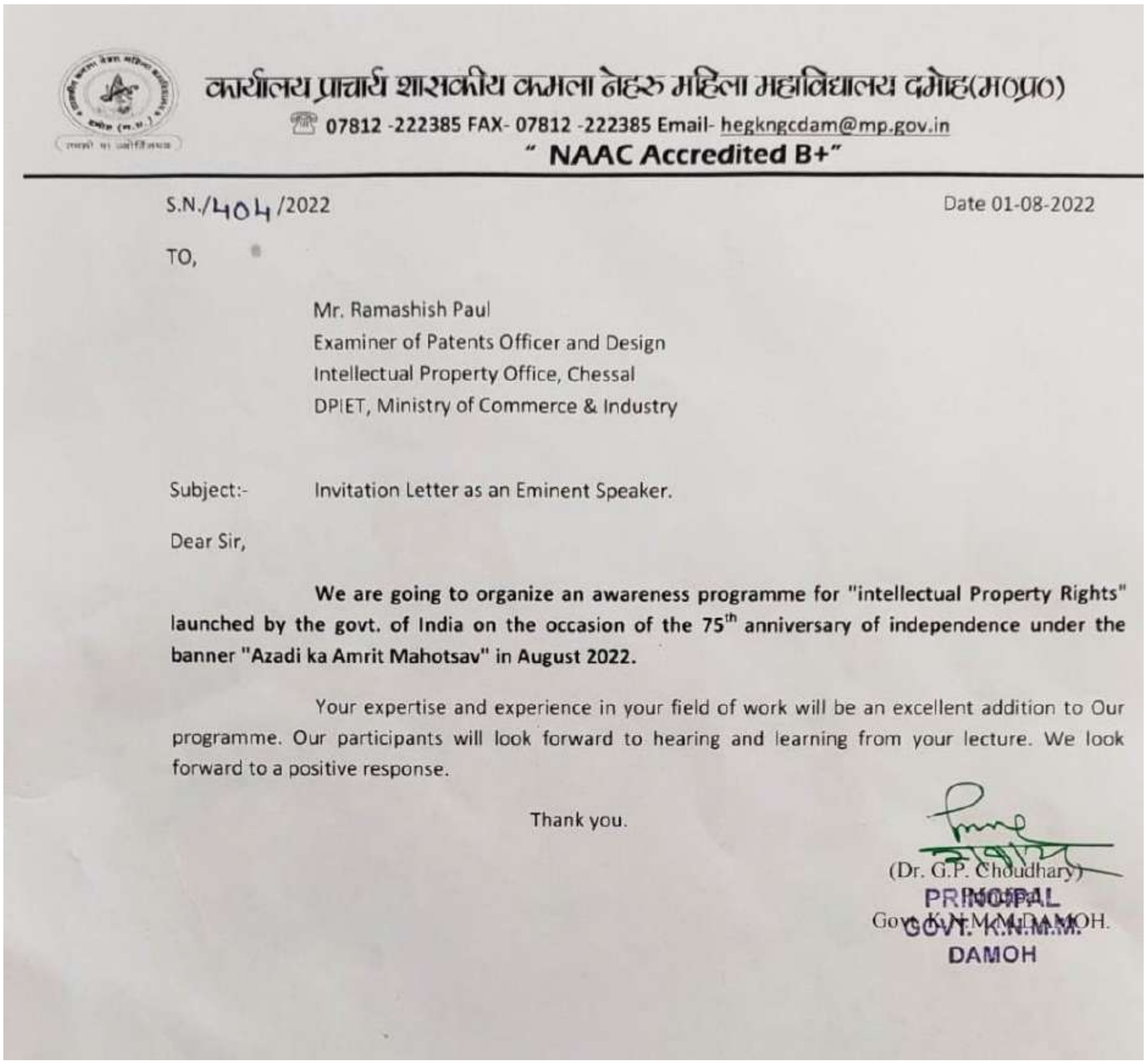

कार्यालय प्राचार्य शासकीय कमला नेहरु महिला महाविद्यालय दमोह(म0प्र0)
07812 -222385 FAX- 07812 -222385 Email- hegkngcdam@mp.gov.in
" NAAC Accredited B+"

S.N./404 /2022 Date 01-08-2022

TO,

Mr. Ramashish Paul
Examiner of Patents Officer and Design
Intellectual Property Office, Chessal
DPIET, Ministry of Commerce & Industry

Subject:- Invitation Letter as an Eminent Speaker.

Dear Sir,

We are going to organize an awareness programme for "intellectual Property Rights" launched by the govt. of India on the occasion of the 75th anniversary of independence under the banner "Azadi ka Amrit Mahotsav" in August 2022.

Your expertise and experience in your field of work will be an excellent addition to Our programme. Our participants will look forward to hearing and learning from your lecture. We look forward to a positive response.

Thank you.

(Dr. G.P. Choudhary)
PRINCIPAL
Govt. K.N.M.M. DAMOH.
GOVT. K.N.M.M.
DAMOH

Certificate distributed for National Intellectual Property Awareness Mission on 04.08.2022

INTELLECTUAL PROPERTY INDIA

NIPAM
NATIONAL IP AWARENESS MISSION

Government of India
Ministry of Commerce and Industry
Department for Promotion of Industry and Internal Trade
Office of the Controller General of Patents, Designs and Trade Marks

CERTIFICATE

This is to certify that, DR. ASLAM KHAN , FACULTY of KNMM DAMOH has successfully participated in IP Awareness/Training program under

NATIONAL INTELLECTUAL PROPERTY AWARENESS MISSION
on August 04,2022

Azadi Ka Amrit Mahotsav

Organized by
Intellectual Property Office, India

Date:August 14,2022

(Prof. (Dr) Unnat P. Pandit)
CONTROLLER GENERAL OF PATENTS, DESIGNS & TRADE MARKS

Seminar on 'Compulsory voting' organized on 25.01.2022

Date: 25.01.2022

Place: Online Mode

Speaker: Mr Ram Vikas Prajapati, Mr Jitendra Dhakad and Mr Pushpendra Tripathi

Speakers let the students know about their right to vote and vote without influencing by anyone. They told that voting is compulsory for each and everyone to build a strong democratic nation. More than 100 participants join the session.

GOPAL PRASAD CHAUDHARI